



## **IIM Raipur Hosts IFC 2024: Engaging Finance Pioneers Across Globe**

**Or**

### **India Finance Conference 2024 at IIM Raipur; A Confluence of Expertise, Innovation and Engagement**

**Or**

### **Experts Converge at IIM Raipur for India Finance Conference 2024: From NSE to SEBI**

#### **Editor's Synopsis:**

- **The conference is scheduled from 19<sup>th</sup> – 21<sup>st</sup> December 2024.**
- **Chief Guest- Mr. Akshay Sahni, Ex. Managing Director, Head of APAC Cash Equities & ECM Trading & Co-Head of Equity Derivatives Trading, Goldman Sachs, Hong Kong.**
- **The event features two plenary, five concurrent and three insightful sessions led by industry experts from around the globe.**

**Raipur, 19<sup>th</sup> December 2024:** Indian Institute of Management (IIM) Raipur, a leading institution recognized for #BuildingBusinessOwners, is proud to host the India Finance Conference (IFC) 2024 jointly organized by the IIM Calcutta, IIM Bangalore and IIM Ahmedabad. Scheduled from December 19 to December 21, 2024, the conference has brought together experts and thought finance leaders to foster insightful discussions and knowledge exchange.

The first day of conference was graced by chief guest **Akshay Sahni**, Ex. Managing Director, Head of APAC Cash Equities & ECM Trading & Co-Head of Equity Derivatives Trading, Goldman Sachs, Hong Kong and Keynote speaker **Professor Yakov Amihud**, Ira Rennert Professor of Entrepreneurial Finance at the Stern School of Business, New York University.

Welcoming all the distinguished participants, Prof. Ram Kumar Kakani, Director, IIM Raipur, said, "The presence of distinguished leaders and visionaries represents the significance of IFC 2024 for IIM Raipur as we continue to foster discussions and knowledge sharing that inspires future finance leaders. The world of finance continues to evolve, exploring diverse dimensions. Today, we navigate both contemporary topics and emerging trends shaping the future of the industry." Sharing his knowledge on the topic he further added, "The maximum amount of development that has happened is during the decades of 1950 to 2000s wherein we had the Black Scholes, CAPM and the existing liquidity measures. When it comes to things related to time as a dimension, size as a dimension, governance as a dimension, ownership of firms as a dimension, we believe there is lot of scope to contribute, and new instruments come can come and conceptual finance can in some sense adapt itself."



Addressing the gathering, the chief guest Sahni shared, “We should be grateful to all our teachers and professors, it’s not always the classroom but, what we learn from them that always stays with us for the rest of our lives. The biggest carnages come from the biggest leverage positions; this is what causes ruin. If you can prepare for that and look out for signs, it’s always a good advice in the world of investing and finance. Trading and capital markets, no matter how much analysis you do, is always a game of probabilities and you can never be certain about the outcome.” He also advised the students that, “There is no point trying to meddle around with a small indecisive position with less conviction. Do your homework and when you see an opportunity, you really got to go for it”.

Prior to the main event, IIM Raipur also hosted pre-conference tutorials on 18th December 2024. The tutorials were centred on insightful topics including Experimental Research in Finance: The Way Forward, Managing high-frequency data, Research issues in Real Estate, and A case study on the impact of Finance analytics.

Featuring two plenary sessions, the conference covers absorbing topics including “Corporate resiliency and the choice between financial and operational hedging” and “A Nudge to Female Home Ownership and Mortgage Market Outcomes”. In addition, the gathering will also engage in five concurrent brainstorming sessions, each divided in various tasks and presided over by dignitaries from various prestigious institutions from around the world.

Highlight of this colloquium, are the three intriguing industry panel sessions, with experts from various domains. Panel Discussion1 was held on “Climate Finance.” Session 2 & 3 to be held on 20<sup>th</sup>-21<sup>st</sup> December 2024, will revolve around “Impact of Regulatory Changes on Indian Financial Markets” and “Role of fintech, digital finance, and AI in Transforming Indian Banking and Financial Landscape” respectively.

The three-day event also features an Indian Finance Association annual meeting, a dazzling gala dinner, and an enchanting cultural evening, offering attendees a perfect blend of intellectual engagement and memorable entertainment.

The conference is being organized in collaboration with Motilal Oswal and participated by NSE, BlackRock, Fractal, MCX, RelantoAI and CareerTopper.

---

### **About IIM Raipur:**

Established in 2010, IIM Raipur is a hub for nurturing dynamic leaders, equipping them with the knowledge, experience, and invaluable contacts needed to excel in their respective fields of business. Our institution draws strength from over 50 accomplished academicians across various business domains and over 700 of the brightest minds in the country. In 2024, IIM Raipur proudly achieved significant rankings, including 14th in the MHRD-NIRF Business Ranking, in 2023, securing the top spot in the CSR-GHRDC B-school Ranking, and ranking 8th in the Outlook-ICARE list. We are one of the fastest-growing IIMs in the nation. Nestled in the vibrant heart of Chhattisgarh, Naya Raipur, our new,



state-of-the-art campus seamlessly blends modern architecture with Chhattisgarh's rich culture and heritage, creating a unique and inspiring learning environment.





## प्रेस विज्ञप्ति

### आईआईएम रायपुर में आईएफसी 2024: वैश्विक वित्त विशेषज्ञों का संगम

#### संपादक की संक्षिप्त जानकारी:

- सम्मेलन का आयोजन 19 से 21 दिसंबर 2024 तक किया गया है।
- मुख्य अतिथि: **अक्षय साहनी**, पूर्व प्रबंध निदेशक, एशिया-प्रशांत कैश इक्विटी और ईसीएम ट्रेडिंग प्रमुख, एवं इक्विटी डेरिवेटिव ट्रेडिंग के सह-प्रमुख, गोल्डमैन सैक्स, हांगकांग।
- कार्यक्रम में दो प्लेनरी सत्र, पांच समवर्ती सत्र और तीन गहन सत्र शामिल हैं, जिनका नेतृत्व वैश्विक उद्योग विशेषज्ञ करेंगे।

**रायपुर, 19 दिसंबर 2024:** भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) रायपुर, जो #बिलिंगबिज़नसऑनर्स के लिए प्रतिष्ठित है, भारत वित्त सम्मेलन (आईएफसी) 2024 की मेजबानी कर रहा है। यह सम्मेलन भा.प्र.सं. कोलकाता, भा.प्र.सं. बेंगलूर, और भा.प्र.सं. अहमदाबाद के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया जा रहा है। 19 से 21 दिसंबर 2024 तक चलने वाले इस सम्मेलन का उद्देश्य वित्त क्षेत्र के विशेषज्ञों और विचारशील नेताओं को एक मंच पर लाना है, ताकि ज्ञान और विचारों का आदान-प्रदान हो सके।

सम्मेलन के पहले दिन मुख्य अतिथि **अक्षय साहनी**, पूर्व प्रबंध निदेशक, गोल्डमैन सैक्स, हांगकांग, और मुख्य वक्ता **प्रोफेसर याकोव अमीहुड**, उद्यमशील वित्त के इरा रेनर्ट प्रोफेसर, स्टर्न स्कूल ऑफ बिजनेस, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय, की गरिमामयी उपस्थिति से सत्र को प्रेरणादायक बनाया गया।

सभी विशिष्ट प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, आईआईएम रायपुर के निदेशक, प्रो. राम कुमार काकानी ने कहा: "आईएफसी 2024 में प्रख्यात नेताओं और दूरदर्शियों की उपस्थिति भा.प्र.सं. रायपुर के लिए इस सम्मेलन के महत्व को दर्शाती है। यह मंच वित्त क्षेत्र के भावी नेताओं को प्रेरित करने के लिए विचार-विमर्श और ज्ञान साझा करने का अवसर प्रदान करता है। वित्त की दुनिया लगातार विकसित हो रही है, जहां समकालीन विषयों और भविष्य को आकार देने वाले उभरते रुझानों की खोज जारी है।" अपने ज्ञान को साझा करते हुए उन्होंने आगे कहा, "1950 से 2000 के दशक के दौरान सबसे अधिक विकास हुआ, जिसमें ब्लैक-स्कोल्स मॉडल, कैपिटल एसेट प्राइसिंग मॉडल (सीएपीएम) और मौजूदा लिक्विडिटी उपाय जैसे महत्वपूर्ण योगदान शामिल हैं। समय, आकार, शासन, और फर्मों के स्वामित्व जैसे विभिन्न आयामों को देखते हुए, हमें लगता है कि वित्तीय क्षेत्र में योगदान की काफी संभावनाएं हैं। नई वित्तीय साधन आ सकते हैं और सैद्धांतिक वित्त स्वयं को कुछ हद तक अनुकूलित कर सकता है।"

सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री अक्षय साहनी ने कहा: "हमें अपने सभी शिक्षकों और प्रोफेसरों के प्रति आभारी होना चाहिए। यह केवल कक्षा का ज्ञान नहीं है, बल्कि जो सीख हम उनसे लेते हैं, वही हमारे साथ जीवन भर रहता है। सबसे बड़े वित्तीय नुकसान अक्सर सबसे बड़े लीवरेज से होते हैं, और यह वित्तीय पतन का कारण बनता है। अगर आप इसके लिए तैयार हैं और संकेतों को पहचान सकते हैं, तो यह निवेश और वित्त की दुनिया में हमेशा एक अच्छा सुझाव है।"

उन्होंने यह भी कहा, "ट्रेडिंग और कैपिटल मार्केट, चाहे आप कितना भी विश्लेषण कर लें, हमेशा संभावनाओं का खेल है, और आप परिणाम के बारे में कभी भी पूरी तरह से निश्चित नहीं हो सकते।"



छात्रों को सलाह देते हुए उन्होंने कहा, "कम दृढ़ विश्वास के साथ किसी छोटे अनिश्चित स्थिति में हस्तक्षेप करने का कोई मतलब नहीं है। अपना होमवर्क करें और जब आपको अवसर दिखे, तो उसे पूरी ताकत से अपनाएं।"

मुख्य कार्यक्रम से पहले, भा.प्र.सं. रायपुर ने 18 दिसंबर 2024 को प्री-कॉन्फ्रेंस ट्यूटोरियल्स की मेजबानी की। ये ट्यूटोरियल्स वित्त में अनुसंधान के उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित थे, जिनमें शामिल थे: वित्तीय अनुसंधान में प्रायोगिक अध्ययन: भविष्य की दिशा, उच्च-आवृत्ति डेटा का प्रबंधन, रियल एस्टेट में अनुसंधान के मुद्दे, वित्तीय विश्लेषिकी के प्रभाव पर एक केस स्टडी

सम्मेलन में दो प्लेनरी सत्र भी शामिल हैं, जो बेहद रुचिकर विषयों को कवर करते हैं, जैसे: "कॉर्पोरेट लचीलापन और वित्तीय व परिचालन हेजिंग के बीच चयन", "महिलाओं के गृहस्वामित्व और मॉर्गेज बाजार परिणामों के लिए एक प्रेरणा" इसके अतिरिक्त, सम्मेलन में पांच समवर्ती सत्र होंगे, जिनमें विभिन्न कार्य शामिल होंगे, और ये विश्वभर के प्रतिष्ठित संस्थानों के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा संचालित किए जाएंगे।

इस संगोष्ठी की मुख्य विशेषता तीन उद्योग पैनल सत्र हैं। पैनल चर्चा 1: "क्लाइमेट फाइनेंस" पर चर्चा की गई। सत्र 2 और 3: 20 और 21 दिसंबर 2024 को आयोजित होंगे, जिनके विषय क्रमशः हैं: "भारतीय वित्तीय बाजारों पर नियामकीय बदलावों का प्रभाव", "भारतीय बैंकिंग और वित्तीय परिदृश्य को बदलने में फिनटेक, डिजिटल वित्त और एआई की भूमिका" इन सत्रों में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो सम्मेलन को और अधिक समृद्ध बनाएंगे।

यह तीन दिवसीय कार्यक्रम भारतीय वित्त संघ की वार्षिक बैठक, एक भव्य गाला डिनर और एक मनमोहक सांस्कृतिक संध्या की मेजबानी भी करता है, जो प्रतिभागियों को बौद्धिक सहभागिता और यादगार मनोरंजन का अद्वितीय संयोजन प्रदान करता है।

सम्मेलन का आयोजन मोतीलाल ओसवाल के सहयोग से किया जा रहा है, और इसमें एनएसई, ब्लैकरॉक, फ्रैक्टल, एमसीएक्स, रिलांटोएआई और करियर टॉपर जैसी प्रमुख कंपनियां भाग ले रही हैं।

---

### **भा.प्र.सं. रायपुर के बारे में:**

2010 में स्थापित, भा.प्र.सं. रायपुर एक ऐसा मंच है, जो गतिशील नेताओं को ज्ञान, अनुभव और अमूल्य संपर्क प्रदान करके उनके व्यावसायिक क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार करता है। हमारा संस्थान विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में 50 से अधिक प्रख्यात शिक्षाविदों और देश के 700 से अधिक प्रतिभाशाली छात्रों की ताकत से प्रेरित है।

2024 में, भा.प्र.सं. रायपुर ने प्रतिष्ठित रैंकिंग हासिल की, जिसमें एमएचआरडी-एनआईआरएफ बिजनेस रैंकिंग में 14वां स्थान, 2023 में सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग में शीर्ष स्थान और आउटलुक-आईकेयर सूची में 8वां स्थान शामिल है। यह भारत के सबसे तेजी से विकसित हो रहे भा.प्र.सं. में से एक है।

छत्तीसगढ़ के नई रायपुर में स्थित हमारा अत्याधुनिक परिसर आधुनिक वास्तुकला और छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति व विरासत का एक अनूठा और प्रेरक संयोजन प्रस्तुत करता है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया देखें: <http://www.iimraipur.ac.in>.